

सामान जा सकता है 4. कठिन या रुचिविरुद्ध कार्य, अप्रिय दायित्व 5. काम का उत्तरदायित्व।

बोझिल हि.वि. (तत्.) 1. भारी, बजनी, भार से लदा 2. कठिन, अरुचिकर काम 3. उदासीन या खिन्न मन 4. ठीक से समझ में न आने वाला या कठिन 5. उर्नीदापन (आंखें बोझिल लग रही हैं)।

बोट स्त्री. (अं.) नाव, नौका, किशती boat

बोटा पुं. (देश.) 1. कटा हुआ टुकड़ा 2. लकड़ी का कटा टुकड़ा, कुंदा।

बोटी स्त्री. (देश.) माँस का छोटा टुकड़ा हड्डी सहित, प्रयो. बोटी-बोटी काट डालना- शरीर के हिस्से करना; बोटी-बोटी फड़कना- प्रफुल्लित होना।

बोड़ा पुं. (देश.) 1. एक प्रकार की पतली लंबी फली, जिस का प्रयोग तरकारी के रूप में किया जाता है, लोबिया 2. अजगर 3. वह व्यक्ति जिस के दाँत टूट गए हों।

बोतल स्त्री. (तत्.) 1. द्रव्य पदार्थ रखने के लिए, लम्बी गदरन वाला, शीशे अथवा प्लास्टिक का पात्र 2. दूध की बोतल, पानी की बोतल 3. शराब (पूरी बोतल का नशा), छोटी बोतल को शीशी भी कहते हैं (दवाई की शीशी) bottle

बोदा वि. (देश.) 1. मंद बुद्धिवाला, मूर्ख, सूदा 2. सुस्त, कमजोर 3. दब्बू, कायर, डरपोक 4. दोष युक्त, खराब।

बोध पुं. (तत्.) 1. जानकारी, ज्ञान 2. विचार 3. बुद्धि 4. संतोष, धीरज, सांत्वना, तसल्ली।

बोधक पुं. (तत्.) 1. जानकारी देने वाला, सिखाने, बताने वाला 2. सूचना देने वाला, गुप्तचर 3. शृंगार रस के हाव-भाव में संकेत अथवा क्रिया द्वारा मन के अंदर की बात प्रेमी अथवा प्रेमिका तक पहुँचाना।

बोधगम्य वि. (तद्.) समझ में आने वाला, जिस का बोध हो जाए, बोधगम्यता स्त्री. (पारस्परिक)

समझ (हिंदी की निकटवर्ती बोलियों में बोधगम्यता है)।

बोधन पुं. (तत्.) 1. समझने का भाव, सूचित होने का भाव 2. जगाने का भाव 3. प्रज्वलन 4. उद्दीपन।

बोधातीत वि. (तत्.) समझ से परे, जिस को जाना न जा सके, ज्ञान से परे प्रयो. बोधातीत ब्रह्मांड।

बोधामृत पुं. (तत्.) ज्ञान का अमृत, ज्ञान रूपी अमृत, ऐसा ज्ञान जो शीतलता और शांति प्रदान करे।

बोधायतन पुं. (तत्.) 1. ज्ञान का स्थान, ज्ञानालय 2. बोध का विस्तार, ज्ञान का विस्तार।

बोधि स्त्री. (तत्.) 1. पूर्ण ज्ञान 2. बोध गया (बिहार) का प्रसिद्ध पीपल-वृक्ष, जिसके नीचे राजकुमार सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया था।

बोधिचित् पुं. (तत्.) 1. योग समाधि में शून्य की अवस्था 2. करुणा की अवस्था 3. एकाकार की अवस्था।

बोधिचित्त पुं. (तत्.) महायान में साधना पद्धति का आधारबिंदु माना जाने वाला ऐसा चित्त, जिसकी चंचलता को नष्ट किया जा चुका हो।

बोधितरु पुं. (तत्.) 1. बोध गया (बिहार) में स्थित पीपल का वह वृक्ष जिस के नीचे समाधिस्थ होकर भगवान बुद्ध ने बुद्धत्व प्राप्त किया था, पीपल के इस वृक्ष को स्थायित्व प्रदान करने के लिए अनेक, औपचारिक तथा अनौपचारिक प्रयत्न किया जा रहे हैं।

बोधिसत्त्व पुं. (तत्.) 1. जो बुद्धत्व प्राप्त करने का अधिकारी बन गया हो 2. बुद्ध धर्म में भिक्षुओं की एक उच्च अवस्था।

बोधी स्त्री. (तद्.) जानकार वि. 1. जानने वाला 2. शिखा (पंजाबी से आगत), चोटी, चुटिया।

बोनस पुं. (अं.) 1. कर्मचारियों को नियमित वेतन अथवा भत्ते से भिन्न दी जाने वाली धनराशि 2. बीमा कम्पनियों अथवा धन-व्यापारियों द्वारा